सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 139 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 24 जून, 2025
मूल्य ₹ 3/-

पतंगें हवा के विपरीत सबसे अधिक उंचाई छूती हैं। उसके साथ नहीं।
-विंस्टन चर्चिल

इंग्लैंड में 3 शतक लगाने वाले राहुल... 7 | आप की बढ़ी ताकत, भाजपा के... 3 | जातीय जनगणना में गड़बड़ी कर... 2

इटावा बन गया सामाजिक आतंकवाद का नया चौराहा

अखिलेश आग बबूला, पूछा- योगी राज में यह सब क्या हो रहा है

» यादव कथावाचक पर जुल्म की इंतेहा, ब्राह्मणों ने बाल काटे, नाक रगड़वाई और महिलाओं का मूत्र छिड़क कर किया अपमानित

» भारत में हर दिन औसतन 42 दलितों पर होता है अत्याचार

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में क्या मनुवाद लागू हो गया है? इटावा में यादव कथावाचकों के साथ जो कुछ हुआ क्या उसकी कल्पना भी की जा सकती है। इटावा के दादरपुर गांव में कथावाचकों द्वारा पूछने के बाद अपनी जाति बताने पर उनके साथ मारपीट की गई, बाल काटे गए और महिला के पैरों पर नाग रगड़वाई गयी।

यही नहीं उनके ऊपर महिलाओं का मूत्र छिड़कर उन्हें पवित्र करने का दुष्कृत किया गया। सोशल मीडिया पर इस घटना का वीडियो वायरल होने पर पीडीए समाज में बैचेनी है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भड़क गये हैं। उन्होंने सरकार को तीन दिनों का अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गयी तो पूरे प्रदेश में पीडीए के सम्मान में बड़ा आंदोलन करेंगें। वहीं मुकुट मणि सिंह ने बताया- दादरपुर गांव के पप्पू बाबा ने 21 से 27 जून तक भागवत कथा की बुकिंग कराई थी। पहले ही दिन देर शाम भोजन करते वक्त पप्पू बाबा ने मुझसे मेरी जाति पूछी।

कानपुर के रहने वाले हैं मुकुट

कथा वाचक मुकुट मणि सिंह यादव कानपुर के रहने वाले हैं। इटावा में सिविल लाइन के जवाहरपुरा राजा का बाग में रहते हैं। संत सिंह यादव अछल्दा औरैया और श्याम कठेरिया बकेवर के साथ मिलकर भागवत पाठ करते हैं।

क्या-क्या हुआ

मुकुटमणि सिंह यादव ने बताया कि पप्पू बाबा के साथ अतुल, डीलर, मनीष और लगभग 50 अज्ञात लोगों ने मुझे लात-घूसे, जूते और चप्पलों से पीटा। गांव वालों के सामने मेरा सिर मुंडवाया गया। परीक्षित (यजमान) बनी महिला के पैरों में जबरन नाक रगड़वाई गई। गांव के बच्चों, महिलाओं और पुरुषों के जूतों पर सिर रखकर माफी मंगवाई गई। 25 हजार रुपए और एक सोने की चेन छीन ली। मुझे बेइज्जत करके गांव से भगा दिया गया। मेरा सारा सामान अभी भी उनके कब्जे में है।

गैर ब्रह्मण होना पड़ा भारी : पीड़ित

पीड़ितों ने बताया कि वे गांव में कथा करने पहुंचे थे, लेकिन कथित अगड़ी जातियों को यह नागवार गुजरा कि नीची जाति के लोग धर्मशास्त्र की बात करें। यह वही सोच है जो कहती है कि पूजा केवल ब्राह्मण करेगा, पवित्रता की परिभाषा केवल ऊँची जाति तय करेगी।

यादव होना पड़ गया भारी

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि इटावा के दादरपुर गांव में भागवत कथा के दौरान कथावाचक और उनके सहायकों से केवल इसलिए अमानवीय व्यवहार किया गया क्योंकि उन्होंने अपनी जाति यादव बताई। यह वर्चस्ववादी मानसिकता और सामंती सोच की शर्मनाक बानगी है। पीड़ितों के बाल काटे गए, नाक रगड़वाई गई और शुद्धि कराई गई।

उन्होंने इस घटना को न सिर्फ मानवाधिकारों का उल्लंघन बताया बल्कि इसे संविधान के मूल्यों के खिलाफ बताया है। उन्होंने कहा कि यह संविधान और इंसानियत दोनों के खिलाफ अपराध है। सपा प्रमुख ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर तीन दिनों के भीतर दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो सपा पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) के सम्मान की रक्षा के लिए बड़ा आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि पीडीए के मान-सम्मान से बढ़कर कुछ नहीं।

जातिवादी जुल्म का आंकड़ा

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो एनसीआरबी के वर्ष 2023 के आंकड़ों के अनुसार भारत में हर दिन औसतन 42 दलितों पर अत्याचार होता है। उत्तर प्रदेश इन मामलों में लगातार शीर्ष पर रहा है। वर्ष 2023 में एससी/एसटी एक्ट के तहत 13,231 मामले सिर्फ यूपी में दर्ज हुए। इन मामलों में सज़ा की दर मात्र 28 प्रतिशत है, यानी ज़्यादातर दोषी बरी हो जाते हैं।

सोशल मीडिया पर उबाल

घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर होने के बाद पूरा सोशल मीडिया उबाल पर है और यूज़र्स अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर गुस्से का सैलाब आया हुआ है। लेकिन क्या यह गुस्सा धरातल पर बदलाव लाएगा? जातिवाद केवल एक कानून से नहीं मिटता यह सामाजिक बहिष्कार और वैचारिक आंदोलन से खत्म होता है। हमें घर-घर में जाति के खिलाफ आंदोलन खड़ा करना होगा।

एडीशनल एसपी कर रहे हैं जांच

मामला तूल पकड़ता देख पुलिस ने घटना का त्वरित संज्ञान लेते हुए कार्रवाई की है। इटावा पुलिस के अनुसार घटना के संबंध में थाना बकेवर में मुकदमा दर्ज कर 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आरोप गंभीर हैं और जांच एडिशनल एसपी के नेतृत्व में की जा रही है। पीड़ितों द्वारा आरोप लगाए गए हैं कि उन्हें बंधक बनाकर न सिर्फ पीटा गया बल्कि उनके पैसे भी छीन लिए गए।

इंसानियत हुई शर्मसार! ओडिशा में दो दलितों को पीटा, बाल काटे, मवेशियों का चारा खाने को मजबूर किया

ओडिशा से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है जहां पर इंसानियत शर्मशार होती दिखाई दी है। ओडिशा के गंजाम जिले में पुलिस ने दावा किया कि मवेशी तस्कर होने के शक में दो दलितों के बाल काट दिए गए, उन्हें पीटा गया और घुटनों के बल चलने तथा मवेशियों का चारा खाने को मजबूर किया गया। यह घटना रविवार को धाराकोटे पुलिस थाना क्षेत्र के खारीगुम्मा गांव के जाहदा में हुई। घटना का कथित वीडियो वायरल होने के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में व्यापक आक्रोश फैल गया। हालांकि हम इस वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं कर सकते है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित सिंगीपुर के बाबुला नायक (54) और बुलू नायक (42) दो गायों और एक बछड़े को ऑटो में हरिओर से अपने गांव ले जा रहे थे तभी खारीगुम्मा में गोरक्षकों के एक समूह ने उन्हें पकड़ लिया और उन पर मवेशियों की तस्करी का आरोप लगाया। पुलिस ने बताया कि भीड़ ने कथित तौर पर दोनों से 30,000 रुपये मांगे। जब पीड़ितों ने मना किया तो उनके साथ मारपीट की गई और अपमानजनक व्यवहार किया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, ''उन्हें एक सैलून में ले जाया गया और उनका आधा सिर मुंडवा दिया गया।'' अधिकारी ने बताया, ''इसके बाद उन्हें एक किलोमीटर से अधिक दूरी तक घुटनों के बल चलने, मवेशियों का चारा खाने और नाली का पानी पीने को मजबूर किया गया।'' गंजाम के पुलिस अधीक्षक सुवेन्दु कुमार पात्रा ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने इस मामले में कम से कम छह लोगों को हिरासत में लिया है।

जातीय जनगणना में गड़बड़ी कर सकती है बीजेपी : सपा

» गांव-गांव जागरुकता अभियान चलाएगी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा भाजपा की हर साजिश को खत्म करने के लिए उसकी पोल खोलेगी। इसी के तहत सपा को आगामी जातीय जनगणना 2027 में गड़बड़ी की आशंका है। पार्टी का मानना है कि पीडीए वर्ग की सही जाति दर्ज न होने की साजिश की जा सकती है। इसे रोकने के लिए पार्टी अब गांव-गांव जागरुकता आंदोलन चलाएगी। समाजवादी पार्टी ने 2027 में प्रस्तावित जातीय जनगणना को लेकर संभावित गड़बड़ियों पर आशंका जताई है। पार्टी का मानना है कि भाजपा सरकार तकनीक और संसाधनों के जरिए इस जनगणना में खेल कर सकती है।

इससे पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्गों को हानि हो सकती है। इसको लेकर सपा ने पूरे प्रदेश में गांव-गांव जागरुकता आंदोलन चलाने का फैसला किया है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि भाजपा जातीय जनगणना में गड़बड़ी कर सकती है। इसलिए, कार्यकर्ताओं को सही जाति दर्ज कराने के लिए जनता को जागरूक करना होगा। सपा ने सभी जिला और शहर इकाइयों को निर्देश जारी कर दिए हैं कि वे प्रत्येक बैठक, सभा और स्थानीय कार्यक्रम में लोगों को जनगणना फॉर्म भरने की प्रक्रिया और जाति के सही उल्लेख की महत्ता समझाएं। पार्टी का कहना है कि एक बार जनगणना का प्रारूप जारी होते ही यह अभियान और तेज़ किया जाएगा, ताकि पीडीए वर्गों को उनके संवैधानिक हक से वंचित न किया जा सके।

अखिलेश यादव से बोले संजय निषाद- बहुत देर कर दी साहब

कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने समाजवादी पार्टी के तीन विधायकों के निष्कासन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व का फैसला सबको मानना चाहिए. सपा ने जिन तीन विधायकों को निकाला उन्हें पहले ही निकाल देना चाहिए था. अखिलेश यादव कई बार जल्दबाजी में फैसले लेते हैं, जिसके कारण सपा आज हाशिए पर आ गई है। उनके सलाहकारों की वजह से पार्टी की यह स्थिति हुई है।

सपा से निष्कासित बागी विधायक मनोज पांडेय जल्द दे सकते हैं इस्तीफा

समाजवादी पार्टी ने सोमवार को तीन विधायकों को पार्टी से निकाल दिया। इसमें एक नाम मनोज कुमार पांडेय का शामिल हैं। सपा से निष्कासित बागी विधायक मनोज पांडेय शीघ्र ही विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे सकते हैं। वे वर्तमान में रायबरेली की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं। सूत्र बताते हैं कि दोबारा चुनाव जीतने की स्थिति में वे सरकार में अहम जिम्मेदारी पा सकते हैं। राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने या गैरहाजिर रहने वाले आठ विधायकों में से सिर्फ मनोज पांडेय ने ही अभी तक भाजपा की सदस्यता ली है। उन्होंने अपना सफर स्थानीय निकाय चुनाव से शुरू किया था। वे चार बार के विधायक हैं। वर्ष 2004-07 और 2012-17 की सपा सरकार में कैबिनेट मंत्री भी रहे थे। सपा में भी उनके पास अहम जिम्मेदारियां थीं। वे सपा के राष्ट्रीय सचिव और प्रदेश उपाध्यक्ष रह चुके हैं। जिस समय उन्होंने बगावत करके राज्यसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट किया था, तब भी वे विधानसभा में पार्टी के मुख्य सचेतक थे।

मप्र की कानून व्यवस्था बदहाल : दिग्विजय

» भोपाल में शोभा यात्रा के दौरान युवक की हत्या, परिजनों से मिलने हमीदिया पहुंचे पूर्व सीएम और जीतू पटवारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। भोपाल में शोभायात्रा के दौरान 20 साल के युवराज बंशकार की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के साथ हमीदिया अस्पताल पहुंचे। परिजनों से मुलाकात कर शोक जताया और कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े किए।

भोपाल में धार्मिक शोभायात्रा के दौरान 20 साल के युवराज वंशकार की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वहीं दो अन्य युवक रोहित सेन और संजू वर्मा पर भी हमला किया गया। मृतक युवराज वंशकार उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले का रहने वाला था और इन दिनों भोपाल में अपने परिजनों के साथ रह रहा था। हमीदिया अस्पताल में उसका पोस्टमॉर्टम किया गया। जानकारी के अनुसार वारदात युवा हिंदू उत्सव समिति द्वारा आयोजित शोभायात्रा के दौरान हुई। शोभायात्रा सिंधी कॉलोनी से शुरू होकर माता मंदिर चौराहे तक निकाली जा रही थी। यात्रा में डीजे पर युवाओं के नाचने के दौरान अचानक कुछ हथियारबंद लोगों ने हमला कर दिया। अफरातफरी में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से युवराज की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस ने इस मामले में शहर के इब्राहिमगंज इलाके में रहने वाले पीयूष सोनी समेत दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि, पकड़े गए तीनों संदिग्ध कथित रूप से हमलावरों में शामिल थे। मृतक युवराज के साथी संजू ने बताया कि पीयूष के साथ धक्का-मुक्की के बाद उसने अपने गैंग के साथ हमला किया, जिसमें युवराज की मौत हो गई।

कांग्रेस नेता ने एसीपी से पूछा- हथियार कहां से आए

इस दौरान दिग्विजय सिंह ने एसीपी राकेश बघेल से पूछा कि शोभायात्रा में हथियार कैसे पहुंचे, जबकि सरकार की गाइडलाइन है कि जुलूसों में हथियार नहीं ले जाए जा सकते। उन्होंने कहा कि मेरे पास वीडियो है, जिसमें लोग हथियार लेकर चल रहे हैं। क्या आप एक्शन लेंगे? इस पर एसीपी ने जवाब दिया कि 101 प्रतिशत कार्रवाई की जाएगी।

चुनाव आयोग की कार्यशैली संदेह वाली : संजय सिंह

» आप ने उठाए सवाल- डाटा 45 दिन ही क्यों रखा जाएगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बहराइच। एकदिवसीय दौरे पर जनपद बहराइच पहुंचे आम आदमी पार्टी के नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने केंद्रीय चुनाव आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर चुनाव आयोग के मन में डर नहीं है तो चुनावी डाटा को 45 दिन बाद ही क्यों समाप्त किया जा रहा है।

अगर चुनाव निष्पक्ष हो रहा है तो डाटा हार्ड डिस्क में रखने में क्या दिक्कत है? पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए संजय सिंह ने कहा कि आज भारत कर्ज में डूबा हुआ है यह कोई सामान्य बात नहीं है। उन्होंने कहा कि देश के चंद लोगों के पास लाखों करोड़ों की संपत्ति है वहीं 82 करोड़ लोग गरीबी रेखा से नीचे है जिन्हें पांच किलो राशन पर गुजारा करना पड़ता है। सांसद संजय सिंह ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि 15 लाख अब तक किसको मिले हैं? काला धन कहां गया? हर साल दो करोड़ नौकरियां किसको प्राप्त हुई? यह सभी बड़े सवाल हैं लेकिन इसका जवाब सरकार के पास नहीं है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा इंदिरा गांधी के फैसलों पर संसद में दिए गए एक वक्तव्य पर संजय सिंह ने कहा ट्रंप के द्वारा व्यापार बंद करने की दी गई धमकी के बाद आपने सीजफायर क्यों किया?

तेज प्रताप ने सरकार से मांगी सुरक्षा

» बोले- साजिश रचने वाले 5 नामों का करेंगे खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से निष्कासित नेता तेज प्रताप यादव ने कहा कि बिहार की जनता ने देखा है कि किस तरह पार्टी के चार-पांच सदस्यों की साजिश के कारण उन्हें राजद से निष्कासित किया गया। तेज प्रताप यादव ने कहा कि बिहार की जनता उनकी असलियत जानती है और वह सभी से जल्दी घुलमिल जाते हैं। तेज प्रताप ने दावा किया कि राजद के उन चार-पांच लोगों ने उनका दुरुपयोग किया।<

अब विधानसभा चुनाव लड़ने का संकेत देते हुए यादव ने कहा कि अब वह आम लोगों के बीच जाएंगे और लोग ही उन्हें न्याय दिलाएंगे। तेज प्रताप यादव ने कहा कि जिस तरह से यह घटना हुई और किसके द्वारा हुई। जिस तरह से मुझे 4-5 लोगों ने साजिश के तहत पार्टी से निकाला, उसे बिहार की जनता ने देखा है। पूरे प्रदेश की जनता जानती है कि मेरा स्वभाव कैसा है और मैं किस तरह से सबके साथ घुलमिल जाता हूं। इसका फायदा उठाकर राजद में बैठे कुछ 4-5 लोग सोचते हैं कि अगर मैं अकेला रह गया तो वे मुझे दबा देंगे। तेज प्रताप यादव को दबाया नहीं जाएगा और यह मैं आपको बता देना चाहता हूं। अब हम जनता के बीच जाएंगे और जनता मेरे साथ न्याय करेगी।

आप की बढ़ी ताकत, भाजपा के लिए बनेगी आफत!

बीजेपी के गढ़ गुजरात में आप ने दिया झटका

गोपाल इटालिया ने मारी बाजी, बीजेपी नहीं खिला पाई कमल

» विसावदर सीट पर दर्ज की बड़ी जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। आप ने गुजरात के उपचुनाव में एक सीट जीतकर भाजपा की नींद उड़ा दी है। हालांकि कड़ी में बीजेपी ने कड़ी टक्कर में जीत हासिल की हैं। पर जिस तरह से उसे इन दोनों सीटों पर जीत के लिए मशक्कत करनी पड़ी वह ये जता रही है आगामी राज्य विधान सभा चुनाव में भाजपा के लि राह आसान नहीं होगी। उधर इस जीत से उत्साहित आप ने भाजपा को और नुकसान पहुंचाने की तैयारी शुरू कर दी है। बता दें दिल्ली विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी ने अच्छा कमबैक किया है। आप ने बीजेपी के गढ़ गुजरात में 2022 के चुनावों में जीती विसावदर की सीट पर कब्जा बरकरार रखा है।

इस सीट से आप ने अपने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया को मैदान में उतारा था। गोपाल इटालिया ने कुछ राउंड को छोड़कर पूरे 21 राउंड की मतगणना में ज्यादातर समय ब ?त बनाए रखी। इटालिया ने बीजेपी के कैंडिडेट किरीट पटेल को 17,581 वोटों से शिकस्त दी। बीजेपी के गढ़ गुजरात मे आप की जीत इसलिए बड़ी है क्योंकि आम आदमी पार्टी में दिल्ली की हार के बाद जबरदस्त निराशा थी। उपचुनावों मे सत्तारूढ़ दल का पलड़ा भारी माना जाना है, लेकिन आप ने पुख्ता व्यूहरचना से विसावदर में बीजेपी को कमल खिलाने से रोक दिया। बीजेपी इस सीट पर 2007 से जीत के लिए तरस रही है। इस बार के चुनाव में कुल 16 कैंडिडेट मैदान में थे।

लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर 'आप' उम्मीदवार संजीव अरोड़ा बरकरार

पंजाब में लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के लिए सोमवार को जारी मतगणना के शुरुआती रुझानों में आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा अपने करीबी प्रतिद्वंद्वी एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी जीवन गुप्ता को हराया। लुधियाना पश्चिम उपचुनाव के नतीजों का फाइनल आंकड़ा आ गया है। आप के संजीव अरोड़ा को 10634 वोटों के अंतर से बड़ी जीत मिली है. आप उम्मीदवार ने कुल 35144 वोट हासिल किए तो वहीं कांग्रेस के भारत भूषण आशु को 24510 वोट मिले हैं. इसके अलावा, बीजेपी उम्मीदवार जीवन गुप्ता के खाते में 20299 वोट आए हैं। इससे पहले पंजाब में लुधियाना पश्चिम विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के लिए सोमवार को जारी मतगणना के शुरुआती रुझानों में आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा अपने करीबी प्रतिद्वंद्वी एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी जीवन गुप्ता से 3,060 मतों के अंतर से आगे हैं। तीन चरणों की मतगणना के बाद अरोड़ा को 8,277 और गुप्ता को 5,217 वोट मिले हैं। पहले दो चरणों में गुप्ता से आगे रहे कांग्रेस प्रत्याशी भारत भूषण आशु 5,094 मतों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

विसावदर विधानसभा उप चुनाव रिजल्ट-2025 (किसे कितने वोट मिले)

क्र. संख्या	प्रत्याशी	पार्टी	वोट
1	गोपाल इटालिया	आप	75906 (जीत)
2	किरीट पटेल	बीजेपी	58325
3	नितिन रणपारिया	कांग्रेस	5491

आप कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई

आप कार्यकर्ताओं ने चंडीगढ़ में जश्न मनाया और मिठाइयां बांटीं, क्योंकि पार्टी के संजीव अरोड़ा लुधियाना पश्चिम (पंजाब) विधानसभा उपचुनाव (आधिकारिक चुनाव आयोग के रुझानों के अनुसार) में जीत के करीब पहुंच गए हैं और गोपाल इटालिया ने विसावदर (गुजरात) विधानसभा उपचुनाव में जीत हासिल की है।

उपचुनाव में निर्दलीयों का हाल बेहाल

लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव में चार मुख्य दलों आप बीजेपी, शिअद और कांग्रेस को छोड़कर बाकी सभी 10 उम्मीदवारों को केवल तीन डिजिट में वोट मिले हैं। वे 1000 का आंकड़ा भी नहीं छू पाए।

केजरीवाल के हीरो चैलेंज ने बनाया माहौल

2022 के विधानसभा चुनावों में लोगों ने आप पर भरोसा किया था लेकिन भूपत भायाणी के बीजेपी में जाने से आप के दावे को झटका लगा था। गोपाल इटालिया के नामांकन में पहुंचे अरविंद केजरीवाल को इसका एहसास था, तो उन्होंने सार्वजनिक तौर पर ऐलान कर दिया कि अगर बीजेपी गोपाल इटालिया को खरीद लेगी तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा। केजरीवाल के इस चैलेंज ने लोगों और पार्टी के कार्यकर्ताओं में विश्वास भर दिया। केजरीवाल ने विसावदर में कहा था कि उन्होंने अपने सबसे बड़े हीरो को उतारा है।

बड़े चेहरे पर खेला दांव

गुजरात की इस सीट को बचाने के लिए आम आदमी पार्टी ने अपने बड़े चेहरे को मैदान में उतारा। गोपाल इटालिया ने इस क्षेत्र के निवासी नहीं होने के बाद भी पूरी विधानसभा में दो से तीन भ्रमण करके लोगों के बीच पैठ बना ली। ऐसे में उन्होंने लोगों को खुद से जोड़ लिया। बीजेपी सत्ता में होने के बाद भी अंत तक चुनाव प्रचार में पिछड़ी रही। गोपाल इटालिया के सामने किरीट पटेल हल्के साबित हुए।

परोपकार सिंह घुम्मण चौथे स्थान पर

शिरोमणि अकाली दल के प्रत्याशी परोपकार सिंह घुम्मण 2,575 मतों के साथ चौथे स्थान पर हैं। उपचुनाव के लिए 14 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। इस विधानसभा सीट पर 19 जून को हुए उपचुनाव में डाले गए मतों की गिनतीयहां खालसा कॉलेज फॉर वुमेन में स्थापित एक केंद्र में सुबह आठ बजे शुरू हुई। 'आप' के विधायक गुरप्रीत बस्सी गोगी के जनवरी में निधन के बाद यह सीट रिक्त हो गई थी और यहां चुनाव आवश्यक हो गया था। उपचुनाव में 51.33 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो 2022 के विधानसभा चुनाव में दर्ज 64 प्रतिशत मतदान से काफी कम है।

सीएम भगवंत मान ने जताई जीत की खुशी

लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव में आप की जीत पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने खुशी जताई है। उन्होंने एक्स पर लिखा, लुधियाना पश्चिमी उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत पर सभी को बहुत-बहुत बधाइयां। बड़ी लीड से मिली यह जीत इस बात का साफ संकेत है कि राज्य के लोग हमारी सरकार के कामों से बेहद खुश हैं. हम पंजाब की तरक्की और खुशहाली के लिए दिन-रात बिना किसी भेदभाव और पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं।

इसुदान गढ़वी ने बूथ किए मजबूत

पत्रकारिता से राजनीति में आए इसुदान गढ़वी इस चुनाव में पूरी तरह से प्रदेश प्रमुख की भूमिका में रहे। सौराष्ट्र से आने वाले इसुदान ग ?वी ने विसावदर में गोपाल इटालिया को उतारने से पहले वहां सर्वे कराया और पार्टी कार्यकर्ताओं का रुख जाना। इसके बाद उन्होंने उनकी इच्छा के अनुसार फैसला लिया। इसुदान गढ़वी ने अंत तक 11 नेताओं की कोर टीम बनाकर हर एक बूथ पर फोकस किया। यही वजह है जहां पर तकनीकी खराबी आई तो आप दो मतदान केंद्रों पर री-पोलिंग कराने में सफल रही। गढ़वी यह कम्युनिकेट करने में सफल रहे कि लड़ाई आप और बीजेपी की है। यही वजह है कि कांग्रेस कैंडिडेट की जमानत जब्त हो गई।

पहले कैंडिडेट का ऐलान

आम आदमी पार्टी ने गुजरात में भी पंजाब वाल दांव खेला था। दिल्ली चुनावों में हार के बाद आप ने विसावदर सीट पर चुनाव आयोग की घोषणा से पहले ही कैंडिडेट का ऐलान कर दिया था। ऐसे में बीजेपी में जहां कैंडिडेट को लेकर आखिर तक जद्दोजहद जारी रही तो वहीं आप कैंडिडेट के साथ प्रचार में पहले ही जुटी चुकी थी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अमेरिकी हमले ने दुनिया को संकट में डाला!

अमेरिका के खिलाफ रूस व चीन के आने के बाद यह विकराल रूप लेगा इसकी वजह से भारत समेत पूरे विश्व में तबाही मचेगी। इसमें सबस ज्यादा प्रभाव देशों की अर्थव्यवस्था पड़ेगा जिसकी वजह से रोजमर्रा की चीजों पर महंगाई की मार पड़ने की प्रबल संभावना है। इससे मानव जीवन को कठिन दशा से दो-चार होना होगा।

शांति की बात-बात करते-करते अमेरिकी राष्ट्रपति ने पूरी दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर दिया। कभी एक महीने पहले भारत व पाक के बीच सीजफायर का झूठा प्रचार करने वाले ट्रंप ने इजरायल के कहने पर ईरान पर हमला करके संकट को बड़ा कर दिया है। अब ऐसा लगने लगा है कि यह युद्ध बड़ा होने वाला है। अमेरिका के खिलाफ रूस व चीन के आने के बाद यह विकराल रूप लेगा इसकी वज से भारत समेत पूरे विश्व में तबाही मचेगी। इसमें सबस ज्यादा प्रभाव देशों की अर्थव्यवस्था पड़ेगा जिसकी वजह से रोजमर्रा की चीजों पर महंगाई की मार पड़ने की प्रबल संभावना है। इससे मानव जीवन को कठिन दशा से दो-चार होना होगा। बता दें अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने रविवार सुबह भले यह दावा किया हो कि ईरान की तीन अहम न्यूक्लियर साइट्स को पूरी तरह तबाह कर दिया गया है, लेकिन हकीकत में इस संघर्ष में सीधे कूदकर उन्होंने अनिश्चितता बढ़ा दी है। यहां से इसी बात की आशंका ज्यादा है कि अब टकराव और भयानक होगा।

इस हमले से दो दिन पहले वाइट हाउस ने बताया था कि इस्राइल-ईरान संघर्ष में शामिल होने को लेकर कोई भी फैसला दो हफ्ते में लिया जाएगा। तब इससे यही कयास लगे थे कि ट्रंप ने तेहरान के सामने बातचीत का भी रास्ता खुला रखा है। लेकिन, इस कार्रवाई से लगता है कि कूटनीति के लिए जगह नहीं बची। वार्ता का विकल्प खत्म होना किसी के हक में नहीं है। इस्राइल और अमेरिका दो प्रमुख लक्ष्य के साथ इस संघर्ष में उतरे हैं - ईरान के परमाणु कार्यक्रम का पूरी तरह से खात्मा और सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के शासन का अंत। हालांकि यह अब भी नहीं कहा जा सकता कि अमेरिकी दखल के बावजूद इनमें से कोई भी लक्ष्य पूरा होने के करीब पहुंच गया हो। और इस बात का अंदाजा भी कोई नहीं लगा सकता कि इसमें कितना वक्त लगेगा। तो यह सवाल रह जाता है कि एक दिन पहले तक शांति के नोबेल की बात कहने वाले ट्रंप ने इस अटैक से क्या हासिल किया? अमेरिकी एक्शन ने संघर्ष की आग को भड़काने के लिए ईंधन दे दिया है। कतर, बहरीन, कुवैत, इराक, यूएई समेत पश्चिम एशिया के कई देशों में अमेरिका के सैन्य ठिकाने हैं। ईरान ने इन्हें निशाना बनाने की चेतावनी दी थी। अगर वह इस पर अमल करता है तो युद्ध और फैलेगा। इन सभी जगहों को किसी हमले से पूरी तरह सुरक्षित रखना अमेरिका के लिए भी संभव नहीं। इस टकराव को लेकर शुरू से सबसे बड़ी आशंका जताई जा रही है ऑयल सप्लाई को लेकर। ईरान के पास दुनिया के सबसे अहम तेल मार्ग होमरूज की खाड़ी की कुंजी है। यहां थोड़ा-सा भी अवरोध डगमगाती ग्लोबल इकॉनमी के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

इंसान खुद लिख रहा है विनाश पटकथा

सुरेश सेठ

ऐसा प्रतीत होता है कि समृद्ध राष्ट्रों के लिए वैश्विक तनाव एक रणनीतिक आवश्यकता बन चुका है-अपनी सैन्य शक्ति के प्रदर्शन, हथियारों के व्यापार को बढ़ावा देने और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में वर्चस्व बनाए रखने के लिए। दशकों पुरानी शत्रुता के साथ शांति और अहिंसा की बातें केवल औपचारिक वक्तव्यों तक सीमित हैं। वास्तविकता यह है कि कहीं न कहीं युद्ध का बहाना ढूंढ़कर उसे भड़का दिया जाता है। इन शक्तिशाली देशों ने अपने ऐतिहासिक विकास की कीमत पर दो गंभीर समस्याएं-पर्यावरण प्रदूषण और वैश्विक ऊष्मीकरण-तीसरी दुनिया के कंधों पर डाल दी हैं। स्वयं आर्थिक रूप से सक्षम होने के बावजूद वे इन समस्याओं से निपटने के लिए न तो पर्याप्त आर्थिक संसाधन साझा करने को तैयार हैं, और न ही कोई वास्तविक उत्तरदायित्व लेने को। इसके विपरीत, वे भारत जैसे उभरते देशों को नेतृत्व का दायित्व सौंपते हैं, शायद इसलिए कि ये देश संसाधनों के अभाव में हमेशा उनकी मदद के मोहताज बने रहें और वैश्विक राजनीति में उनकी शर्तों पर खेलते रहें।

आज दुनिया को जिन वास्तविक युद्धों की आवश्यकता है-भुखमरी, महंगाई, भ्रष्टाचार और युवाओं के भविष्य की सुरक्षा के लिए-वो युद्ध कभी लड़े ही नहीं गए। इसके बजाय, शांतिप्रिय देशों पर आधुनिक हथियारों की वर्षा कर के, राष्ट्रों के भूगोल को युद्धभूमि बना दिया गया। आज जब रूस-यूक्रेन युद्ध एक तीन 'पुरानी त्रासदी' बन चुका है और चीन-ताइवान का टकराव स्थायी तनाव का चित्र बन गया है, तब दुनिया का ध्यान इस्राइल और ईरान के बीच उभरे नए संकट पर केंद्रित है। यह संघर्ष न केवल क्षेत्रीय अशांति का प्रतीक है, बल्कि इसके पीछे छिपी वैश्विक राजनीति की कई परतें भी उजागर करता है। निस्संदेह, इस्राइल को अपने पड़ोसी देशों और आतंकी संगठनों से लंबे समय से खतरे का सामना रहा है। लेकिन इस्राइल को पश्चिमी शक्तियों, विशेषकर अमेरिका का भरपूर समर्थन प्राप्त है-ऐसा समर्थन जो सिर्फ सैन्य या कूटनीतिक नहीं, बल्कि रणनीतिक नियंत्रण के इरादे से संचालित होता है।

ईरान जब परमाणु शक्ति की ओर अग्रसर होता है, तो उसे परमाणु अप्रसार संधि का वास्ता देकर रोका जाता है, जबकि जिन देशों के पास पहले से परमाणु हथियार हैं, वे न केवल इस संधि से बाहर हैं, बल्कि अपनी परमाणु क्षमताएं और सैन्य दबदबा लगातार बढ़ा

रहे हैं। हाल ही में इस्राइल ने 'ऑपरेशन राइजिंग लायन' के तहत ईरान के लगभग सैन्य व परमाणु ठिकानों को निशाना बनाते हुए बड़ा हमला किया, जिसमें कई वरिष्ठ कमांडर, सेना प्रमुख और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बयान दिया कि ईरान को किसी भी कीमत पर परमाणु शक्ति नहीं बनने दिया जाएगा, क्योंकि वह 'हमारे अस्तित्व के लिए खतरा' है। ईरान ने इसका कड़ा जवाब देने की चेतावनी दी है, जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इसे 'सिर्फ शुरुआत' करार देते हुए ईरान को परमाणु हथियार का सपना भूलने की धमकी दी है। अब प्रश्न यह उठता है कि क्या यह वास्तव में इस्राइल और ईरान का युद्ध है? या फिर यह उन वैश्विक शक्तियों की रणनीति का हिस्सा है जो नहीं चाहतीं कि मुस्लिम दुनिया कभी संगठित या परमाणु रूप से सशक्त हो? क्या यह संघर्ष वाकई आत्मरक्षा का है, या फिर शक्ति-राजनीति की एक सोची-समझी स्क्रिप्ट, जिसमें इस्राइल केवल एक मोहरा है और असली नियंत्रण अमेरिका जैसे देशों के हाथ में है? चाहे युद्ध कहीं भी हो और कोई भी पक्ष लड़ रहा हो, हार अंततः मानवता की होती है। इसका सबसे बड़ा नुक़सान नई पीढ़ी को भुगतना पड़ता है, जिसकी किताबों में ज्ञान की जगह हथियारों की समझ भर दी जाती है। जिन मानवीय सहायता समूहों और संस्थानों के पुनर्निर्माण का वादा वैश्विक शक्तियों ने किया था, उन्हें फंडिंग मिलनी बंद हो जाती है, और वे समाज के सबसे पिछड़े वर्गों को और गहरे अंधकार में छोड़ देते हैं। इस समय दुनिया हिंसा और उत्पीड़न के एक गंभीर दौर से गुजर रही है। हाल की संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी की रिपोर्ट बताती है कि जबरन विस्थापित लोगों की संख्या 12.2 करोड़ को पार कर चुकी है-यह संख्या पिछले वर्ष से 20 लाख अधिक और पिछले दशक की तुलना में दोगुनी है।

सीरिया से लेकर सूडान तक, अफगानिस्तान से यूक्रेन और बांग्लादेश तक-हर कोना मानवीय त्रासदी की कहानी कह रहा है। यूक्रेन, जो कभी एक समृद्ध, शिक्षित और खनिज संसाधनों से भरपूर देश था, तीन साल के युद्ध में तहस-नहस हो चुका है। वहीं अफगानिस्तान में एक करोड़, यूक्रेन में 88 लाख और म्यांमार में भी विस्थापन का संकट गहराता जा रहा है।

हवा में मौजूद डीएनए में जीवन के सुराग

मुकुल व्यास

यह बात कुछ चौंकाने वाली हो सकती है कि मनुष्य का डीएनए वातावरण में हर जगह मौजूद है। यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा (यूएफ) के रिसर्चरों द्वारा किए गए एक अध्ययन में दूरदराज के इलाकों, समुद्रों और नदियों से लेकर हवा तक लगभग हर जगह मानव डीएनए पाया गया है। हम इन सभी जगहों पर खांसते हैं, थूकते हैं या अपने डीएनए को फ्लश करते हैं। रिसर्चरों ने जांच के दौरान लगभग सभी तरह के वातावरण में उच्च क्वालिटी के मानव डीएनए की मौजूदगी देखी। यह आनुवंशिक सामग्री हमारे लिए बहुत उपयोगी हो सकती है। आयरलैंड की राजधानी डबलिन में किए गए एक अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पौधों, जानवरों और सूक्ष्म जीवों की आनुवंशिक सामग्री को शहर के वातावरण में बहते हुए पाया। उन्होंने शहर की हवा में अवैध नशीली दवाओं के निशान भी खोजे।

आसपास के वातावरण में मौजूद आनुवंशिक सामग्री को पर्यावरणीय डीएनए या एनवायरमेंटल डीएनए (ईडीएनए) कहा जाता है। हवा में मौजूद डीएनए में जीवन के सुराग छिपे हैं। नए शोध से पता चलता है कि हम जिस हवा में सांस लेते हैं, उसमें भी उस क्षेत्र में प्रजातियों का नक्शा बनाने, रोगजनकों को ट्रैक करने और मानव गतिविधि से उत्पन्न होने वाले रासायनिक संकेतों का पता लगाने के लिए पर्याप्त डीएनए होता है। इस अध्ययन के प्रोजेक्ट लीडर डेविड डफी की टीम ने यूएफ की विटनी लैबोरेटरी में लुप्तप्राय समुद्री कछुओं और वायरल कैंसर का अध्ययन करने के लिए पर्यावरणीय डीएनए का सफलतापूर्वक उपयोग किया है। उन्होंने रेत में कछुओं के ट्रैक्स से उपयोगी डीएनए निकाला है। वैज्ञानिकों को पता था कि मानव ईडीएनए उनके कछुओं के नमूनों में मिल सकता है और शायद कई अन्य स्थानों पर भी यह डीएनए मिल सकता है जहां उन्होंने सर्वे किया था। आधुनिक आनुवंशिक सीक्वेंसिंग तकनीक से पर्यावरण के नमूने में प्रत्येक जीव के डीएनए को क्रमबद्ध करना अब आसान हो गया है।

रिसर्चरों की टीम को विटनी लैब के आसपास समुद्र और नदियों में, शहर के आसपास और मानव बस्ती से दूर के स्थानों तथा अलग-थलग समुद्र तटों से रेत में अच्छी क्वालिटी वाले मानव डीएनए मिले। अमेरिका की नेशनल पार्क सर्विस की मदद से किए गए एक परीक्षण में रिसर्चरों ने एक दूरस्थ द्वीप के उस हिस्से की यात्रा की जहां लोग कभी नहीं गए थे। यह स्थान मानव डीएनए से मुक्त था। लेकिन वे इस क्षेत्र में स्वैच्छिक प्रतिभागियों के पैरों के निशान से डीएनए निकालने में सफल रहे। उन्होंने प्रतिभागियों की अनुमति से उनके जीनोम अथवा डीएनए समूह के कुछ हिस्सों को क्रमबद्ध भी किया। वैज्ञानिकों ने एक पशु चिकित्सालय से कमरे की हवा के नमूने भी एकत्र किए। इन नमूनों की मदद से वे कर्मचारियों, एक पशु रोगी और सामान्य पशु विषाणुओं से मेल खाने वाले डीएनए को अलग करने में सफल रहे। डफी ने कहा कि पर्यावरणीय डीएनए में उपलब्ध जानकारी के स्तर को देखते हुए हमने इस बात पर विचार शुरू कर दिया है कि मनुष्यों, वन्यजीवों और अन्य प्रजातियों में इसके संभावित अनुप्रयोग क्या हो सकते हैं।

फ्लोरिडा विश्वविद्यालय की विटनी लैब ने हवा सहित लगभग हर वातावरण से डीएनए निकालने और उसका विश्लेषण करने के अपने तरीकों को व्यापक बनाया है। यह डीएनए सिर्फ सतह पर नहीं रहता। यह हवा में भी स्वतंत्र रूप से मौजूद रहता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि घंटों या कई दिनों तक चलने वाले साधारण एयर फिल्टर बड़ी मात्रा में सूचनात्मक आनुवंशिक सामग्री एकत्र कर सकते हैं। डफी ने कहा, जब हमने शुरुआत की, तो ऐसा लगा कि हवा से डीएनए के बड़े टुकड़े प्राप्त करना मुश्किल होगा। लेकिन ऐसा नहीं है। हम वास्तव में बहुत सारे सूचनात्मक डीएनए प्राप्त रहे हैं। इसका मतलब है कि आप प्रजातियों को सीधे परेशान किए बगैर उनका अध्ययन कर सकते हैं। इस विधि से एक क्षेत्र में सभी प्रजातियों का एक साथ अध्ययन किया जा सकता है। डफी की प्रयोगशाला ने डबलिन में हवाई डीएनए संग्रह उपकरण स्थापित किए। उपकरण के फिल्टर ने शहर की हवा में तैर रहे सैकड़ों मानव रोगाणुओं के निशान एकत्र किए जिनमें वायरस और बैक्टीरिया शामिल हैं। इस तरह की निगरानी बीमारी के प्रकोप का जल्दी पता लगाने या आबादी के माध्यम से फैलने वाले संक्रमण को समझने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। इस तरीके से मौजूदा तकनीकों की तुलना में पर्यावरणीय एलर्जी का भी अधिक सटीक रूप से पता लगा सकता है।

एलर्जी का पता लगाने की क्षमता डॉक्टरों द्वारा रोगियों को सलाह देने के तरीके या सार्वजनिक स्वास्थ्य एजेंसियों द्वारा चेतावनी जारी करने के तरीके को बदल सकती है। डफी की टीम ने फ्लोरिडा के जंगलों में भी अपनी विधि का परीक्षण किया। वहां एयर फिल्टर ने छोटे जीव-जंतुओं के डीएनए के नमूने एकत्र किए। खास बात यह थी कि डीएनए ने न केवल इन जानवरों की उपस्थिति का पता लगाया, बल्कि यह भी बताया कि वे कहां से आए थे। ऐसी सटीकता जानवरों के संरक्षण के लिए एक गेम-चेंजर हो सकती है। लुप्तप्राय प्रजातियों को बचाने की कोशिश करते समय, उनकी भौगोलिक उत्पत्ति को जानना उनके वर्तमान स्थान को जानने जितना ही महत्वपूर्ण हो सकता है। हवा के माध्यम से इस डेटा को ट्रैक करके वैज्ञानिक उन जानवरों का अध्ययन कर सकते हैं जो दुर्लभ हैं या आसानी से दिखाई नहीं देते। हम जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ जैव विविधता को नुकसान के खतरों का भी सामना कर रहे हैं।

दांत का कीड़ा
हटाने के लिए करें ये काम

दांतों में कीड़े लगने का मतलब सचमुच कीड़े लगना नहीं होता है बल्कि दांतों की सड़न को कीड़े लगना कहा जाता है। दांतों में सड़न होने पर दांतों में प्लाक और कालापन नजर आने लगता है। ज्यादातर दांतों के बीच में यह काली सड़न दिखाई पड़ती है जिसे साधारण भाषा में कीड़ा लगना कहते हैं। दांतों में कीड़े लगना या कैविटी होना एक आम समस्या है, जिससे बहुत से लोग परेशान रहते हैं। खराब खानपान और नियमित रूप से दांतों की ठीक से सफाई न करना इसके सबसे प्रमुख कारण होते हैं। दांतों में कैविटी न सिर्फ दर्द और संवेदनशीलता का कारण बनती है, बल्कि अगर समय पर ध्यान न दिया जाए, तो दांतों को बड़ा नुकसान भी पहुंचा सकती है। भारत में बहुत से लोग दांतों की समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिनमें कैविटी प्रमुख है। इस समस्या से राहत के लिए किसी डेंटिस्ट के पास जा सकते हैं। हालांकि, शुरुआती अवस्था में या हल्के लक्षणों में आप कुछ घरेलू उपाय अपनाकर इस समस्या से राहत पा सकते हैं। सरसों का तेल, फिटकरी, लौंग का तेल और हींग जैसे चार घरेलू नुस्खे दांतों की समस्या से राहत दिलाने या शुरुआती अवस्था में मदद करने में सहायक हो सकते हैं।

हींग का उबला पानी

हींग में एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं, जो मुंह के बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद करते हैं। एक गिलास पानी में आधा चम्मच हींग पाउडर डालकर 5 मिनट तक उबालें। ठंडा होने पर इस पानी से दिन में 2-3 बार कुल्ला करें। यह उपाय कैविटी के कारण होने वाली सूजन को कम करता है और बैक्टीरिया को जड़ से हटाने मदद करता है।

फिटकरी और सेंधा नमक

फिटकरी और सेंधा नमक दोनों ही नेचुरल एंटीसेप्टिक हैं, जो मुंह के बैक्टीरिया को खत्म करने में मदद कर सकते हैं। दांतों की कैविटी को दूर करने के लिए फिटकरी का इस्तेमाल कर सकते हैं। कुछ लोगों को दांतों से खून आने की परेशानी होती है। इस परेशानी को दूर करने के लिए फिटकरी का इस्तेमाल किया जा सकता है। दांतों के अंदर छिपी समस्याओं को जड़ से इलाज करने में फिटकरी प्रभावी हो सकता है। एक चम्मच फिटकरी पाउडर को आधा चम्मच सेंधा नमक के साथ मिलाएं। इस मिश्रण को उंगली या टूथब्रश की मदद से कैविटी वाली जगह पर लगाएं और 1-2 मिनट बाद कुल्ला करें। यह उपाय कैविटी के कारण होने वाली सूजन और दर्द को कम करता है। एक हफ्ते में 3-4 बार इसका उपयोग करें।

लौंग का तेल

लौंग का तेल अपने दर्द निवारक और एंटी बैक्टीरियल गुणों के लिए मशहूर है। लौंग का तेल कैविटी के दर्द से तुरंत आराम दिलाने में मदद कर सकता है। एक रुई के टुकड़े पर 2-3 बूंद लौंग का तेल लगाएं और इसे दांत पर 5-10 मिनट तक रखें। इसके बाद गुनगुने पानी से कुल्ला करें। दिन में 2-3 बार यह उपाय करने से कीड़े और दर्द से राहत मिल सकती है।

सरसों का तेल और नमक का पेस्ट

सेंधा नमक और सरसों का तेल, दोनों ही दांतों की कई समस्याओं को दूर कर सकते हैं। ये असल में बहुत पुराना नानी का नुस्खा है जो कि सालों से इस्तेमाल होता आ रहा है। दरअसल, ये दोनों एंटीबैक्टीरियल हैं और दांतों में कीड़ा लगने से रोक सकते हैं। इसके अलावा ये मुंह की कई समस्याओं को भी दूर कर सकता है। एक चम्मच सरसों के तेल में चुटकी भर नमक मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट से कैविटी वाली जगह पर 2-3 मिनट तक हल्के हाथों से ब्रश करें और फिर गुनगुने पानी से कुल्ला करें। यह उपाय बैक्टीरिया को मारता है और दर्द से राहत देता है। इसे दिन में दो बार, सुबह और रात को करने से आपको कुछ ही दिनों में फायदे देखने को मिल सकता है।

हंसना मना है

गोलू: भाई मुझे हाथ देखना आता है। मोलू : अच्छा मेरा देख जरा। गोलू: तुम्हारी हस्तरेखा बताती है कि तुम्हारे घर के नीचे बहुत धन है। मोलू: ठीक कहा- गोलू मेरे घर के नीचे SBI बैंक की ब्रांच है।

चिंटू डॉक्टर के पास गया, चिंटू- डॉक्टर साहब मुझे क्या बीमारी है? डॉक्टर- लड़कियों का पीछा करना छोड़ दो, चिंटू- उससे क्या होगा? डॉक्टर- अगर लड़कियों का पीछा करना नहीं छोड़ोगे, तो जल्दी ही मर जाओगे, चिंटू- लड़कियों का पीछा करने से कोई कैसे मर सकता है? डॉक्टर- क्योंकि उनमें से एक लड़की मेरी भी है।

पत्नी: मैं तुम्हें कितनी अच्छी लगती हूं? पति: बहुत ज्यादा... पत्नी: फिर भी बताओ कितनी? पति: इतनी कि मन करता है तुम्हारे जैसी एक और ले आऊं...

चिंटू: मेरी जिंदगी साली नर्क होती जा रही है, यमराज: हा हा हा हा, चिंटू: कौन है भाई ? यमराज: तेरे पापों का घड़ा अब भर चुका है, चिंटू: तो मोटर बंद कर दे ना मेरे भाई, यमराज भी बेहोश।

कहानी | मन का दिव्य दर्पण

एक गुरुकुल के आचार्य अपने शिष्य की सेवा से बहुत प्रभावित हुए। विद्या पूरी होने के बाद जब शिष्य विदा होने लगा तो गुरू ने उसे आशीर्वाद के रूप में एक दर्पण दिया। वह साधारण दर्पण नहीं था। उस दिव्य दर्पण में किसी भी व्यक्ति के मन के भाव को दर्शाने की क्षमता थी। उसने सोचा कि चलने से पहले क्यों न दर्पण की क्षमता की जांच कर ली जाए। उसने दर्पण का मुंह सबसे पहले गुरुजी के सामने कर दिया। शिष्य को तो सदमा लग गया। दर्पण यह दर्शा रहा था कि गुरुजी के हृदय में मोह, अहंकार, क्रोध आदि दुर्गुण स्पष्ट नजर आ रहे हैं। मेरे आदर्श, मेरे गुरूजी इतने अवगुणों से भरे है! लेकिन रास्ते भर मन में एक ही बात चलती रही कि जिन गुरुजी को समस्त दुर्गुणों से रहित एक आदर्श पुरुष समझता था लेकिन दर्पण ने तो कुछ और ही बता दिया। उसने अपने कई इष्ट मित्रों तथा अन्य परिचितों के सामने दर्पण रखकर उनकी परीक्षा ली। सब के हृदय में कोई न कोई दुर्गुण अवश्य दिखाई दिया। सब दोहरी मानसिकता वाले लोग है। जो दिखते हैं दरअसल वे हैं नहीं। उसे अपने माता-पिता का ध्यान आया। उसके पिता की तो समाज में बड़ी प्रतिष्ठा है, उसकी माता को तो लोग साक्षात देवतुल्य ही कहते है। उसने उस दर्पण से माता-पिता की भी परीक्षा कर ली। उनके हृदय में भी कोई न कोई दुर्गुण देखा। संसार सारा मिथ्या पर चल रहा है। अब उस बालक के मन की बेचैनी सहन के बाहर हो चुकी थी। उसने दर्पण उठाया और चल दिया गुरुकुल की ओर। गुरूजी के सामने खड़ा हो गया। चेले ने गुरुजी से विनम्रतापूर्वक कहा- गुरुदेव, मैंने आपके दिए दर्पण की मदद से देखा कि सबके दिलों में तरह-तरह के दोष है। कोई भी दोषरहित सज्जन मुझे अभी तक क्यों नहीं दिखा? क्षमा के साथ कहता हूं कि स्वयं आपमें और अपने माता-पिता में मैंने दोषों का भंडार देखा। इससे मेरा मन बड़ा व्याकुल है। तब गुरुजी हंसे और उन्होंने दर्पण का रुख शिष्य की ओर कर दिया। शिष्य के मन के प्रत्येक कोने में राग-द्वेष, अहंकार, क्रोध जैसे दुर्गुण भरे पड़े थे। गुरुजी बोले- बेटा यह दर्पण मैंने तुम्हें अपने दुर्गुण देखकर जीवन में सुधार लाने के लिए दिया था न कि दूसरों के दुर्गुण खोजने के लिए। जितना समय तुमने दूसरों के दुर्गुण देखने में लगाया उतना समय यदि तुमने स्वयं को सुधारने में लगाया होता तो अब तक तुम्हारा व्यक्तित्व बदल चुका होता। मनुष्य की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि वह दूसरों के दुर्गुण जानने में ज्यादा रुचि रखता है। स्वयं को सुधारने के बारे में नहीं सोचता। इस दर्पण की यही सीख है जो तुम नहीं समझ सके यदि हम स्वयं में थोड़ा-थोड़ा करके सुधार करने लगें तो हमारा व्यक्तित्व परिवर्तित हो जाएगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृषभ पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। काम में मन लगेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

मिथुन दु:खद सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। बेकार की बातों पर ध्यान न दें। अपने काम पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

कर्क भूले-बिसरे साथी तथा आगंतुकों के स्वागत तथा सम्मान पर व्यय होगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

सिंह घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा। नौकरी में चैन महसूस होगा। व्यापार से संतुष्टि रहेगी। संतान की चिंता रहेगी। प्रतिद्वंद्वी तथा शत्रु हानि पहुंचा सकते हैं।

कन्या यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेंगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा। घर-बाहर सफलता प्राप्त होगी।

तुला स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। जीवनसाथी से सामंजस्य बैठाएं। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें।

वृश्चिक बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सुकून रहेगा। जल्दबाजी में कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है।

धनु नई योजना लागू करने का श्रेष्ठ समय है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। जोखिम न उठाएं।

मकर किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे।

कुम्भ स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा। हितैषी सहयोग करेंगे।

मीन प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

हर बात पर बहस होती है तो पीरियड्स पर क्यों नहीं : परिणीति चोपड़ा

भारत के कई हिस्सों में पीरियड्स को लेकर कई टैबू हैं। कहीं घर की किचन से दूर रहने की हिदायत दी जाती है तो कहीं अचार न छूने की। कहीं पीरियड्स के दौरान महिलाओं को जमीन पर सोने का कहा जाता है। बेशक समय के साथ लोग जागरुक हो रहे हैं, मगर समय-समय पर होने वाले सवाल ऐसे बदलावों की गति तेज करते हैं। इन टैबू पर हाल ही में परिणीति चोपड़ा सवाल करती दिखी हैं। अभिनेत्री परिणीति सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। यहां वे अपनी निजी और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी अपडेट शेयर करती दिखती हैं। रविवार को परी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें महिलाओं के मासिक धर्म से जुड़े टैबू पर सवाल है। मूल रूप से यह पोस्ट द बैटर इंडिया नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है। इस पोस्ट में दादी और पोती के बीच संवाद दिखाया गया है। पोती पूछती है, दादी, पीरियड्स में मुझे किचन में आने की इजाजत क्यों नहीं है दादी जवाब देती है,किसने तुम्हें मना किया? बेटा ये पुरानी सोच है। पोस्ट के साथ लिखा है, अचार से लेकर पौधों तक खुले बालों से लेकर पुराने डर तक। एक दादी ने तर्क, प्यार और ज्ञान के साथ मासिक धर्म से जुड़े हर मिथक को धीरे-धीरे तोड़ दिया, क्योंकि एकमात्र चीज अशु है वह चुप्पी और शर्म है, जिसे हमने बहुत लंबे समय तक रहने दिया है। अब समय आ गया है कि हम जो कुछ भी हमें बताया गया है, उस पर सवाल उठाएं और उन आवाजों को सुनें जो बोलने की हिम्मत रखती है। इस पोस्ट को परिणीति ने न सिर्फ अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया है, बल्कि इस पर रिएक्ट करते हुए लिखा है, यस। परिणीति चोपड़ा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे नेटफ्लिक्स की सीरीज में नजर आएंगी। इसके जरिए वे ओटीटी डेब्यू कर रही हैं। यह सस्पेंस थ्रिलर सीरीज है।

मलाइका अरोड़ा के क्रिप्टिक पोस्ट से कन्फ्यूज हुए फैंस

कहा- मैं गिरी, फिरी उठी, आहत हुई लेकिन जिंदा हूं

बॉलीवुड | मसाला

मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं। इस प्लेटफॉर्म पर वे अक्सर अपने स्टाइलिश लुक शेयर करती हैं। रविवार को उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया है। यूं तो उन्होंने हफ्तेभर के अपनी फोटोज शेयर की हैं, मगर इसी में एक पोस्टर उन्होंने ऐसा शेयर किया है, जिसने ध्यान आकर्षित किया है।

मलाइका अरोड़ा ने रविवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर की हैं। वे अपने दोस्तों के साथ पार्टी करती दिख रही हैं। अपना पसंदीदा खाना एंजॉय कर रही हैं। कुछ फोटोज में उनके बेटे अरहान भी हैं। मगर, इन्हीं फोटोज में एक पोस्ट है, जिसमें मजबूत महिलाओं को लेकर एक कोट लिखा है।

साझा किए गए पोस्ट के साथ मलाइका ने लिखा है, क्या मजेदार वीक रहा। शुक्रगुजार हूं। इसके अलावा उन्होंने जो एक पोस्टर शेयर किया है, उस पर लिखा है, मैं गिरती हूं, उठती हूं, गलतियां करती हूं, जीती हूं, सीखती हूं, मैं आहत हुई, लेकिन मैं जिंदा हूं। मैं इंसान हूं, मैं परफेक्ट नहीं हूं, लेकिन मैं आभारी हूं। मुझे भरोसा है, मुझे विश्वास है। मैं एक पैर दूसरे के आगे रखना जारी रखूंगी, क्योंकि मजबूत महिलाएं यही करती हैं।

बता दें कि अरबाज खान से तलाक के बाद मलाइका अरोड़ा ने अर्जुन कपूर को डेट किया। दोनों का अफेयर इंडस्ट्री में खूब चर्चा में रहा। उम्र के अच्छे-खासे फासले के बावजूद दोनों के बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग रही। हालांकि, दोनों का अब ब्रेकअप हो चुका है और दोनों अब अपनी-अपनी जिंदगी में आगे बढ़ गए हैं। मलाइका के इस पोस्ट पर यूजर्स के कमेंट आ रहे हैं और वे अभिनेत्री का हौसला बढ़ा रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, फिटनेस से लेकर जिंदगी के प्रति नजरिए तक आप हर मामले में प्रेरित करती हो। एक यूजर ने लिखा, आप सबसे जुदा हो। बहुत मजबूत। हमेशा ऐसी बनी रहिए।

रविवार को 'कुबेर' पर जमकर बरसे नोट

सिनेमाघरों में यूं तो इन दिनों आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर की चर्चा है। मगर, इसी फिल्म के साथ शुक्रवार 20 जून को साउथ फिल्म कुबेर ने भी दस्तक दी। तमिल और तेलुगु के अलावा हिंदी में भी रिलीज हुई इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर अच्छी शुरुआत की।

नागार्जुन, धनुष और रश्मिका मंदाना जैसे सितारों से सजी इस फिल्म ने ओपनिंग डे पर 14.75 करोड़ रुपये की कमाई के साथ शुरुआत की। इसके बाद शनिवार को फिल्म के कलेक्शन में और इजाफा दर्ज हुआ और कमाई 16.5 करोड़ रुपये रही। रविवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े भी ठीकठाक रहे हैं।

तीसरे दिन फिल्म ने 12.2 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसका टोटल कलेक्शन 43.45 करोड़ रुपये पहुंच गया है। हालांकि, अंतिम आंकड़े आने तक रविवार के कलेक्शन में इजाफा दर्ज होने की पूरी उम्मीद है। फिल्म का बजट करीब 120 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। इसके हिसाब से अब तक की कमाई संतुष्टिजनक मानी जा सकती है। फिल्म कुबेर हालांकि, साउथ में ही सबसे ज्यादा कारोबार कर रही है। हिंदी पट्टी में इसका कलेक्शन खास नहीं है। ओपनिंग डे पर हिंदी बेल्ट में इसने महज 23 लाख रुपये का ही कारोबार किया। दूसरे दिन शनिवार को इसमें और गिरावट दर्ज हुई। शनिवार को हिंदी में कुबेर सिर्फ तीन लाख रुपये ही कमा पाई।

अजब-गजब | ब्रिटेन की जेलों में है अजीब व्यवस्था

अच्छा बर्ताव करने वाले कैदियों को जेल में मिलती है जानवर पालने की सुविधा

जेल में कैदियों के साथ कितना मानवीय बर्ताव करना चाहिए और क्या क्या उनकी सज़ा में शामिल होना चाहिए, यह हमेशा ही बहस का विषय रहा है। एक दौर था जब यूरोप के देश कैदियों को बहुत ही अमानवीय सजा देने के लिए मशहूर थे। पर आज का जमाना अलग है। कैदियों के साथ मानवीय बर्ताव हो इसका खास ख्याल रखा जाता है। लेकिन ब्रिटेन की कुछ जेलों में एक अजीब सी सुविधा है। यहां कुछ कैदी जानवर पाल सकते है। और इसके लिए उन्हें केवल एक ही काम करना होता है, उन्हें सिर्फ जेल में अपना बर्ताव अच्छा रखना होता है।

जेल की नीति किसी भी देश के लिए बहुत अहम होती है। कैदियों के साथ ऐसा बर्ताव प्रोत्साहित किया जाता है कि जिससे कि वे खुद को सुधारने के लिए प्रेरित कर सकें। लेकिन ब्रिटेन की तीन बड़ी और सख्त जेलों में कुछ कैदियों को पालतू जानवर रखने की इजाजत है। यह सुविधा अच्छे व्यवहार के लिए मिलती है। न्याय मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है।

फिलहाल यह व्यवस्था देश की तीन उच्च-सुरक्षा जेलों है, जहां कैदियों के पास पालतू

जानवर हैं। मैनचेस्टर की स्ट्रेंजवेज जेल में एक कैदी के पास कछुआ है। यह जेल अब एचएमपी मैनचेस्टर के नाम से जानी जाती है, जो कैटेगरी A जेल है। यॉर्कशायर की एचएमपी फुल सटन और एचएमपी वेकफील्ड में एक-एक कैदी के पास तोता है। ये दोनों जेलें भी उच्च-सुरक्षा वाली हैं। इनमें ब्रिटेन के सबसे खतरनाक अपराधी रहते हैं।

न्याय मंत्रालय के प्रवक्ता का कहना है, पक्षी और अन्य पालतू जानवर प्रोत्साहन योजना के तहत दिए जाते हैं। यह योजना जेल गवर्नर को अच्छे व्यवहार को बढ़ावा देने का मौका देती है। यह कर्मचारियों के खिलाफ हिंसा रोकने में भी मददगार होती है। लेकिन हर जेल में पालतू जानवरों की इजाजत नहीं है। यह फैसला जेल गवर्नर लेते हैं। वे प्रोत्साहन नीति के मुताबिक फैसला करते हैं। ब्रिटेन की पांच अन्य कैटेगरी A जेलों में पालतू जानवरों की अनुमति नहीं है। ये जेलें बेलमार्श, फ्रैंकलैंड, व्हाइटमूर, वुडहिल, और लॉन्ग लार्टिन हैं।। इनमें कोई भी कैदी पालतू जानवर नहीं रख सकता। ब्रिटेन की कम सुरक्षा वाली जेलों में कैदियों के पास तोते होते हैं। लेकिन उच्च-सुरक्षा जेलों में यह पहली बार सुना गया है।

मौजूदा दिशानिर्देश कहते हैं कि गवर्नर अच्छे व्यवहार वाले कैदियों को एक पक्षी और एक पिंजरा दे सकते हैं। लेकिन यह जेल के नियमों पर निर्भर करता है। इन नियमों में कछुओं का ज़िक्र नहीं है। जेल सेवा के प्रवक्ता ने कहा, जेल में पालतू जानवर केवल खास परिस्थितियों में मिलते हैं। गवर्नर की मंजूरी ज़रूरी है। लेकिन इस योजना की आलोचना भी होती है। कुछ लोग कहते हैं कि खतरनाक अपराधियों को ऐसी सुविधा नहीं मिलनी चाहिए। पीड़ितों के परिवार इसे गलत मानते हैं। उनका कहना है कि अपराधियों को सजा मिलनी चाहिए, न कि पुरस्कार।

ये है दुनिया की सबसे लंबी कार, इस पर हैलिकॉप्टर भी उतर सकता है

कारों के बहुत ही अलग संसार होता है। आमतौर पर भारत में औसत रूप से ठीक-ठाक कार 5 से 10 लाख रुपये में आ जाती है। 10 से 20 लाख की कारें 'थोड़ी महंगी' मानी जाती हैं। लेकिन महंगी कारों की कीमत करोड़ों तक में जा सकती है। यह इस पर निर्भर करता है कि आप अपनी कारमें कैसे फीचर्स चाहते हैं। लक्जरी कार बहुत अलग तरह की होती हैं। इन्हीं में एक नाम लिमोनीज़ का है जिसे लोग लिमो भी कहते हैं। यह लंबी कम्पार्टमेंट वाली कार विदेशी अमीरों में ज्यादा लोकप्रिय है। एक वायरल वीडियो में हमें दुनिया की सबसे लंबी लिमोनीज़ कार देखने को मिली है जिसमें एक हेलीकॉप्टर भी उतर सकता है। लिमोनीज़ कार अलग अलग तरह की आती हैं। इनकी कीमत 20 लाख रुपये से शुरू होकर 12 करोड़ रुपये या उससे भी ज्यादा हो सकती है। यह सब इस पर निर्भर करता है कि कार में क्या क्या सुविधाएं हैं। ब्रांड भी कीमतें पर असर डालता है। वैसे भारत में सबसे महंगी कार करीब 12 करोड़ रुपये है, लेकिन सुपर लिमोनीज़ फिलहाल भारत में किसी ने नहीं खरीदी है। वैसे तो यह बिकाऊ नहीं है। फिर भी अमेरिका में इसकी कीमत करीब 34 करोड़ 63 लाख रुपये के आसपास बताई जाती है। इस कार की सबसे बड़ी खासियत यही है कि इसमें एक हैलीकॉप्टर उतर सकता है। इसमें एक स्विमिंग पूल भी है। इतना ही नहीं इस पर छोटा सा गोल्फ कोर्स भी है। इसकी लंबाई 30.54 मीटर है, जो कि एक नीली व्हेल की लंबाई के बराबर है। इसमें कुल 24 पहिये हैं। इसमें कुल 75 लोग एक साथ बैठ सकते हैं। इस कार को सबसे पहले 1986 में कैलिफोर्निया के बरबैंक में कार कस्टमाइजर जे ओहरबर्ग द्वारा बनाया गया था। उस समय, इसकी लंबाई 18.288 मीटर थी और तब यह 26 पहियों पर चलती थी। कुछ कस्टमाइज़ेशन के बाद, इसे बाद में 30.5 मीटर तक बढ़ा दिया गया। अब यह थोड़ी लंबी है। भारतीय बाजार के हिसाब से, छह होंडा सिटी सेडान (प्रत्येक 15 फीट) को द अमेरिकन ड्रीम के साथ-साथ पार्क किया जा सकता है और फिर भी कुछ जगह बच जाएगी। इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर @supercarblondie अकाउंट से शेयर किया गया है जिसे अब तक 66 लाख व्यूज मिल चुके हैं। इसके कैप्शन मे, दुनिया की सबसे लम्बी लिमो में एक हैलिकॉप्टर लैंडिंग पैड है। कई लोगों ने इस कार पर तरह तरह के सवाल उठाएं जिसमें इसके मोड़ने के तरीका पूछने से लेकर इसकी उपयोगिता शामिल है। एक यूजर ने पूछा, यह गाड़ी सड़कों पर मुड़ती कैसे है? दूसरे यूज़र ने लिखा, एक सरल सा सवाल, क्यों? तीसरे यूजर ने लिखा, मैं इसका पूरा प्रजेंटेशन देखना चाहता हूं। चौथे ने हैरानी जताते हुए पूछा, सोचिए ये कार यू टर्न लेती हुई कैसी लगेगी? पांचवे यूजर ने इसे लिमो नहीं बल्कि एक ट्रेन कह डाला। एक अन्य यूज़र ने इसे वित्तीय बर्बादी कह दिया तो वहीं एक और यूज़र ने कहा कि इसकी किसी को जरूरत नहीं होगी।

ईरान से सीखें शाह व मोदी : राउत

» शिवसेना यूबीटी नेता बोले- भारत को भी ऐसी नीति अपनानी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना-यूबीटी के सांसद संजय राउत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईरान-इजराइल युद्ध, हिंदी थोपे जाने के मुद्दे और गुजरात बनाम महाराष्ट्र की भाषा नीति पर बड़ा बयान दे दिया। राउत ने ईरान की बहादुरी की तारीफ करते हुए कहा कि जब भी भारत संकट में रहा, ईरान हमेशा हमारे साथ खड़ा रहा है। उन्होंने कहा, ईरान ने जो हिम्मत और स्वाभिमान दिखाया है, उससे हमारे प्रधानमंत्री और गृह मंत्री को सीखना चाहिए। ईरान झुका नहीं, लड़ा और लड़ेगा भी। उनके नेताओं का जज्बा काबिल-ए-तारीफ है। जब ट्रंप ने हमारे बारे में गलत बोला था, तब भारत चुप रहा, लेकिन ईरान ने ऐसा नहीं किया।

संजय राउत ने यह भी कहा, ईरान ने दुनिया को दिखा दिया है कि एक संप्रभु राष्ट्र कैसे अपने स्वाभिमान के लिए खड़ा रहता है। भारत को भी ऐसी ही स्पष्ट नीति अपनानी चाहिए और देश की प्रतिष्ठा के लिए दृढ़ता से खड़ा होना चाहिए। बता दें कि ईरान इजरायल के बीच जारी युद्ध को लेकर अमेरीका के तरफ से बड़ा ऐलान किया गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर का ऐलान करते हुए दोनों देशों के शांति बनाने की अपील की है। भाषा विवाद पर बोलते हुए राउत ने शिंदे और अजित पवार पर तंज कसा और कहा कि उन्हें मोदी से पूछना चाहिए कि हिंदी जबरन महाराष्ट्र में क्यों थोपी जा रही है, जबकि गुजरात में ऐसा क्यों नहीं हो रहा। उन्होंने कहा, अमित शाह ने कहा था मैं गुजराती हु हिंदी नहीं। हम महाराष्ट्र वाले हिंदी से प्यार करते है। हमारे पास हिंदी का व्यापार है, फिल्म इंडस्ट्री है संगीत है बड़े बड़े अखबार हिंदी के महाराष्ट्र से निकलते है हमें हिंदी सीखने की जरूरत नहीं है. आप जाए और गुजरात में सिखाए।

हिंदी जबरन महाराष्ट्र में क्यों थोपी जा रही है

अरब देश होंगे अमेरिका और इजराइल का अगला निशाना : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस (नेका) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला नेअरब देशों को चेतावनी दी कि इजराइल और अमेरिका का अगला निशाना वही होंगे क्योंकि उनके तेल और गैस पर दोनों देशों की नजर है। उन्होंने कहा कि यह उनकी लंबे समय से नीति रही है कि ईरान को परमाणु शक्ति नहीं बनना चाहिए। यहां तक कि क्षेत्र के सुन्नी देश भी इसके खिलाफ हैं, लेकिन उनमें बोलने का साहस नहीं है। अब्दुल्ला ने यहां नवा-ए-सुबह में पार्टी की बैठक के बाद कहा कि आज वे सोचते हैं कि ईरान पर हमला हुआ है, लेकिन मैं आपके माध्यम से उन्हें चेतावनी देना चाहता हूं कि एक दिन इजराइल उन पर भी हमला करेगा, क्योंकि वे तेल और गैस जैसी उनकी संपत्ति चाहते हैं। इजराइल केवल एक मुखौटा है, अमेरिका उसके ठीक पीछे खड़ा है। पश्चिम एशिया में युद्ध के विकराल रूप लेने के असर के बारे में पूछे जाने पर जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे सभी देशों की आर्थिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि विश्व शक्तियां स्थिति पर नजर रख रही हैं।

टीएमसी राजनीतिक पार्टी नहीं यह गिद्धों का गिरोह : मालवीय

» कालीगंज उपचुनाव में जीत के बाद जश्न के दौरान 9 साल की बच्ची की मौत

» भाजपा बोली- बम फेंकने से गई जान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कालीगंज सीट के उपचुनाव में टीएमसी की जीत के बाद दुखद घटना सामने आई है। बीजेपी का आरोप है कि तृणमूल कांग्रेस की विजय रैली में एक 9 साल की बच्ची की मौत हो गई। बीजेपी ने जश्न में बम फेंक जाने का उल्लेख किया है। इस घटना पर पश्चिम बंगाल भाजपा के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने हमला बोला है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि टीएमसी का जश्न अपने हाथों पर खून लगाकर खत्म हुआ। फिर से मुस्लिम बहुल कालीगंज उपचुनाव में टीएमसी की जीत की रैली में बम फेंके गए और इस अराजकता में एक छोटी लड़की तमन्ना खातून की मौत हो गई। जो कक्षा 4 की छात्रा थी।

मालवीय ने इसे हत्या बताया है। मालवीय ने लिखा है कि टीएमसी अपनी जीत की धुन पर नाच रही थी तब एक बच्ची की हत्या कर दी गई। टीएमसी कोई राजनीतिक पार्टी नहीं है। यह गिद्धों का गिरोह है। वे खून बहाए बिना उपचुनाव भी नहीं जीत सकते। क्या पश्चिम बंगाल की हालत ऐसी हो गई है? क्या ममता बनर्जी के शासन में जीत की यही कीमत है? इस घटना पर पश्चिम बंगाल की सीएम की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। उन्होंने एक्स पर लिखा है कि मैं कृष्णानगर पुलिस जिले के बारोचंदगर में हुए विस्फोट में एक लड़की की मौत से स्तब्ध और बहुत दुखी हूं।

इंग्लैंड में 3 शतक लगाने वाले राहुल पहले भारतीय ओपनर

» लगातार दो पारी में शतक लगाने वाले ऋषभ पंत बने पहले भारतीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लीड्स। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में शतक लगा दिया है। राहुल ने आखिरी बार टेस्ट में 2023 में सैकड़ा लगाया था और अब उन्होंने इस सूखे को समाप्त कर दिया है। राहुल ने 202 गेंदों पर अपने टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया। राहुल ने इंग्लैंड के खिलाफ लीड्स में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में 42 रन बनाए थे। राहुल का इंग्लैंड के खिलाफ यह चौथा शतक है, लेकिन ओपनर के तौर पर इंग्लैंड में उनका यह तीसरा शतक है।

राहुल ने इसके साथ ही सुनील गावस्कर, राहुल द्रविड़, विजय मर्चेंट और रवि शास्त्री जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है और वह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं भारतीय टीम के उपकप्तान ऋषभ पंत ने लगातार दूसरी पारी में शतक लगाकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने अपनी जबरदस्त फॉर्म का मुजायरा पेश करते हुए महज 130 गेंदों में अपने टेस्ट करियर का आठवां शतक पूरा किया। इसी के साथ पंत ने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। पंत ने पहली पारी में 146 गेंदों में अपना सातवां टेस्ट शतक पूरा किया था। अब इसमें सुधार करते हुए उन्होंने 130 गेंदों में अपना आठवां टेस्ट शतक पूरा किया। इसी के साथ पंत पहले भारतीय बन गए जिन्होंने इंग्लैंड में टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक लगाया है। इसके अलावा वह सातवें भारतीय हैं जिन्होंने टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाया है। इसी के साथ पंत एंडी फ्लॉवर के बाद दूसरे ऐसे विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए जिन्होंने टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाए हैं।

भारत के पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी का निधन

लंदन। भारत के पूर्व स्पिनर दिलीप दोशी का निधन हो गया। 1947 में जन्मे दोशी ने 77 साल की आयु में लंदन में अंतिम सांस ली। उनके निधन से क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई। दोशी क्रिकेट करियर के बाद एक सफल हिंदी कॉमेंटेटर के तौर पर भी बेहद लोकप्रिय रहे। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 898 विकेट झटकने वाले दोशी ने 238 प्रथम श्रेणी मुकाबलों में 43 बार पांच विकेट लिए। छह बार एक मैच में 10 विकेट झटके। उनके निधन पर सौराष्ट्र क्रिकेट संघ ने कहा कि वे अपने पीछे कौशल, प्रतिबद्धता, उत्कृष्टता की समृद्ध विरासत छोड़ गए हैं। हाल ही में दोशी को बीसीसीआई ने एक समारोह में सम्मानित भी किया था। वे इस महीने की शुरुआत में लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी शामिल हुए थे।

राहुल 'सोशल रिफॉर्मिस्ट' बनते जा रहे हैं : गहलोत

» पूर्व सीएम बोले- जातिगत जनगणना एक क्रांतिकारी कदम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा कि वे आज के 'सोशल रिफॉर्मिस्ट' बनते जा रहे हैं। उन्होंने जातिगत जनगणना को एक क्रांतिकारी कदम बताया और कहा कि इससे नीति निर्माण को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से दिशा दी जा सकेगी, जिससे एससी, एसटी, ओबीसी व ईडब्ल्यू वर्गों को समान अवसर मिल सकेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस की ऐतिहासिक भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि आजादी से पहले और बाद में पार्टी ने हमेशा समाज सुधार और लोकतंत्र को मजबूत करने वाले निर्णय लिए।

उन्होंने राजीव गांधी द्वारा 21वीं सदी की नींव रखने, 73वें और 74वें संविधान संशोधन, 18 वर्ष की उम्र में मताधिकार और सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति की शुरुआत जैसे फैसलों को याद किया। बातचीत के अंत में गहलोत ने देश की वर्तमान विदेश नीति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आज भारत की अंतरराष्ट्रीय पहचान कमजोर होती जा रही है। इंदिरा गांधी के समय में भारत निर्गुट आंदोलन का नेता था। आज दुनिया में युद्ध और टकराव की स्थितियां हैं, अमेरिका-ईरान, इजरायल-पैलेस्टीन जैसे मसले हैं, लेकिन भारत कोई स्पष्ट स्टैंड नहीं ले पा रहा। गहलोत ने कहा कि देश को फिर से वैश्विक मंच पर नेतृत्व की भूमिका निभानी चाहिए, जैसा कभी भारत ने नॉन-अलाइंड मूवमेंट के जरिये किया था।

संजय गांधी की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

इंदिरा गांधी के पुत्र संजय गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने संजय गांधी के सामाजिक सुधारों और आज की विदेश नीति को लेकर विस्तार से चर्चा की। गहलोत ने संजय गांधी को याद करते हुए कहा कि इमरजेंसी के दौर में भले ही कांग्रेस पर कई आरोप लगे हों, लेकिन उनके द्वारा लाए गए फाइव प्वाइंट प्रोग्राम आज भी प्रासंगिक हैं। इनमें दहेज प्रथा उन्मूलन, साक्षरता बढ़ाना, जातिवाद खत्म करना, परिवार नियोजन और पौधरोपण जैसे सामाजिक मुद्दे शामिल थे। उन्होंने कहा कि यदि उस समय परिवार नियोजन पर बल न दिया गया होता, तो आज देश की जनसंख्या 180 करोड़ तक पहुंच सकती थी। गहलोत ने कहा कि संजय गांधी के कार्यक्रम इतने क्रांतिकारी थे कि उन्होंने देश को सामाजिक सुधार की दिशा में एक नई राह दी। उन्होंने राजस्थान सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में पढ़ाओ-पानी बचाओ-बिजली बचाओ-वृक्ष लगाओ जैसे अभियानों को आगे बढ़ाया गया, जो संजय की सोच से प्रेरित थे।

सबसे बड़ा हथियार ईमान है : मुफ्ती

» ईरान के लोगों, फौजी और लीडरशीप को सलाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। ईरान और इजरायल में जारी भारी तनाव के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीजफायर का ऐलान किया है। इसको लेकर महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मैं ईरान के लोगों, फौजी और लीडरशीप को सलाम करती हूं। मुफ्ती ने कहा, जिस जज्बे से उन्होंने लड़ाई लड़ी, काबिले तारीफ है, न तो कोई हथियार था, न कोई परमाणु हथियार है, उनका सबसे बड़ा हथियार ईमान है।

शहादत का जज्बा है। मुझे पूरा यकीन है कि अमेरिका जैसे सुपरपावर के दोस्त इजरायल को घुटने पर लाया है। अमेरिका के नहीं चाहते हुए भी, इस्लामिक देशों में ईरान का रुतबा बहुत ऊपर चला गया है। लीडरशीप का रोल मिल गया। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि अमेरिका ने इजरायल के कहने पर ईराक, अफगानिस्तान, लीबिया, सीरिया को तबाह किया और लोकतंत्र का नाम लेते हैं।

भाजपा से मुक्ति केवल आप ही दिला सकती है: केजरीवाल

» पंजाब-गुजरात में जीत से गदगद हुए आप संयोजक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात और पंजाब के विधानसभा उपचुनाव में मिली जीत के बाद आम आदमी पार्टी ने दावा किया कि राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल एक बार फिर से राष्ट्रीय राजनीति में वापस आ गए हैं। वहीं अरविंद केजरीवाल ने दावा किया कि देश को भाजपा से मुक्ति केवल आम आदमी पार्टी ही दिला सकती है। उन्होंने बताया कि पंजाब की जनता ने बताया कि आप सरकार के काम से खुश हैं। वहीं गुजरात की जनता बदलाव चाहती है। दोनों जगह भाजपा-कांग्रेस ने मिलकर आप को हराना चाहा, लेकिन जनता ने इन दोनों पार्टियों को ही हरा दिया।

'मैं राज्यसभा नहीं जा रहा'

सोमवार को पार्टी मुख्यालय में केजरीवाल ने लुधियाना पश्चिम से जीते संजीव अरोड़ा और विसावदर से जीते गोपाल इटालिया को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गुजरात में आप एक विकल्प के तौर पर उभर रही है। 2022 के चुनाव में गुजरात में कांग्रेस को 17 सीट मिली थी और आम आदमी पार्टी को 5 सीट मिली थी। पिछले 3 साल में गुजरात के पांच विधायक छोड़कर भाजपा में चले गए, जबकि आप का 5 में से एक विधायक भाजपा में गया। कांग्रेस को छोड़कर भाजपा में गए विधायकों की सीटों पर पिछले साल उपचुनाव हुए थे और कांग्रेस पांचों सीट हार गई। सारी सीट भाजपा के पास चली गई। भाजपा ने विसावदर से आप विधायक की चोरी की थी, आज हम उस सीट को भाजपा से वापस छीन कर ले आए हैं। अरविंद केजरीवाल ने राज्यसभा जाने की सारी अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि राज्यसभा से कौन जाएगा, यह पार्टी की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी तय करेगी, लेकिन मैं राज्यसभा नहीं जा रहा हूं।

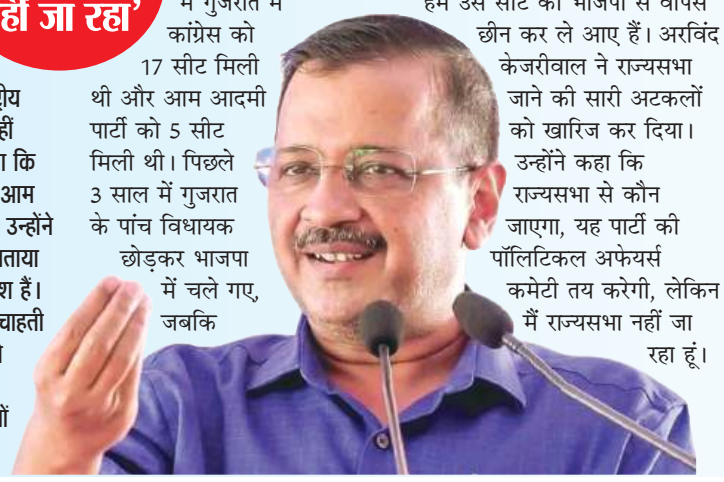

जनता ने दिया बड़ा संदेश : भारद्वाज

आप के वरिष्ठ नेता व दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि गुजरात की विसावदर सीट पर आप ने भाजपा को हराकर एक बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है।

कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा : मनीष

आप के वरिष्ठ नेता व पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस जीत से पंजाब के कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है। इस काम से पंजाब के लोग खुश हैं। आम आदमी पार्टी ने पंजाब में सेमीफाइनल जीत लिया है, अब फाइनल की बारी है। वहीं गुजरात की जीत इस बात संकेत है कि लोगों ने अरविंद केजरीवाल की काम की राजनीति पर भरोसा जताया है। सिसोदिया ने कहा कि पंजाब में सेमीफाइनल में शानदार जीत मिली है, अब फाइनल की बारी है।

भाजपा सरकार पूरी तरह नाकाम : देवेंद्र यादव

» सीएम रेखा पर कांग्रेस का जोरदार हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने राजधानी में जलभराव को लेकर भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए दावा किया कि इस बार फिर दिल्ली डूबेगी और जल त्रासदी से शहर में हाहाकार मचेगा। उन्होंने भाजपा सरकार की तैयारी को कछुआ चाल करार देते हुए कहा कि पीडब्ल्यूडी की रिपोर्ट खुद सरकार की नाकामी को उजागर कर रही है। यादव ने बताया कि पीडब्ल्यूडी ने जलभराव संभावित जगहों की संख्या 375 से बढ़ाकर 410 कर दी है, जिनमें 71 अति संवेदनशील हैं। यह बढ़ोतरी साबित करती है कि न तो पिछली आप सरकार से कोई सबक लिया गया और न ही कोई ठोस तैयारी की गई। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की टिप्पणी को गैरजिम्मेदाराना और हास्यास्पद करार देते हुए कहा कि इससे सरकार की अक्षमता उजागर होती है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि बारिश एक प्राकृतिक घटना है, ऐसा नहीं कि नीचे तवा रखा हो, जिससे पानी तुरंत वाष्पित हो जाए।

यादव ने आरोप लगाया कि 25 मार्च को मुख्यमंत्री ने मानसून से पहले दिल्ली को जलभराव मुक्त बनाने का दावा किया था, लेकिन 2,140 किलोमीटर नालों की सफाई का वादा सिर्फ 60.47 प्रतिशत तक ही पूरा हो सका। अब जब 24 जून को मानसून दस्तक देने वाला है, तो पीडब्ल्यूडी 30 जून तक की नई डेडलाइन देकर सिर्फ दिखावा कर रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले सप्ताह हुई अंतरविभागीय बैठक में भी सभी एजेंसियां जलभराव से निपटने में असहाय नजर आईं। दिल्ली के प्रमुख जलभराव हॉटस्पॉट जैसे रिंग रोड, ओल्ड व न्यू रोहतक रोड, भैरो मार्ग, बुराड़ी और नजफगढ़ रोड पर कोई ठोस योजना नहीं है।

इजराइल ने लगाया ईरान पर सीजफायर तोड़ने का आरोप

» कहा- ईरान कर रहा लगातार हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तेहरान/तेल अवीव/दोहा। इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग अभी थमती नहीं दिख रही है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमले रोकने का ऐलान कर दिया है। नेतन्याहू ने कहा कि इजराइली सेना का मकसद पूरा हो चुका है। यह फैसला उस वक्त आया, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दोनों देशों से युद्ध रोकने की अपील की थी। डोनाल्ड ट्रम्प ने जंग के 12वें दिन सीजफायर का ऐलान किया और कहा कि यह अगले 6 घंटे में लागू हो जाएगा। हालांकि ईरान ने फिर हमला किया है। इजराइल ने कहा है कि इरान सीजफायर नही मान रहा है तो वह फिर तेहरान पर हमला करेगा। उधर ईरान ने हमले से इंकार किया है।

ट्रम्प के सीजफायर के ऐलान के बाद से ईरान के विदेश मंत्री ने इसे खारिज कर दिया था। उन्होंने कहा कि इजराइल के साथ अभी कोई अंतिम युद्धविराम समझौता नहीं हुआ है। अगर इजराइल, हमले रोक देता है, तो ईरान भी हमले नहीं करेगा।कुछ ही देर बाद ईरान ने इजराइल पर 6 बार बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक मिसाइल बीर्शेबा शहर में इमारत पर गिरी। मेडिकल टीम ने बताया कि हमले में 4 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 20 से ज्यादा घायल हैं।

ईरान ने कतर में अमेरिकी एयरबेस पर दागीं मिसाइलें

ट्रम्प के ऐलान से कुछ घंटे पहले ही ईरान ने कतर में अमेरिका के अल-उदीद एयर मिलिट्री बेस पर 19 मिसाइलें दागी थीं। हालांकि, इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ, क्योंकि ईरान ने हमले से पहले ही इसके बारे में अलर्ट जारी कर दिया था।

मिडिल-ईस्ट, अमेरिका और यूरोप जाने वाली फ्लाइटें रद

अमेरिका के सीजफायर के दावों को ईरान ने सिरे से खारिज कर दिया है। कतर में अमेरिकी बेस पर ईरान के हमले के बाद मिडिल ईस्ट में युद्ध के हालात बन गए हैं, जिसका सबसे बड़ा असर एविएशन पर देखने को मिल सकता है। मिडिल-ईस्ट समेत पूर्वी अमेरिका और यूरोप जाने वाली कई फ्लाइट्स रद कर दी गई हैं। ईरान ने कतर में स्थित अमेरिका के सबसे बड़े सैन्य अड्डे अल-उदेद एअरबेस पर 6 मिसाइलें दाग दीं। हमले के फौरन बाद कतर, कुवैत, इराक और संयुक्त अरब अमीरात ने अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए।

हिंदी को राष्ट्रीय भाषा करें घोषित: अबू आजमी

» भाषा विवाद के बीच सपा नेता ने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार द्वारा स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में अनिवार्य करने पर महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अबू आज़मी ने बड़ा बयान दिया है। अबू आज़मी ने कहा कि मराठी पहली भाषा है, लोग अंग्रेजी के पीछे भागते हैं क्योंकि वे गुलाम हैं, इसलिए यह दूसरी भाषा है। मैं बार-बार दोहराता हूँ कि तीसरी भाषा हिंदी होनी चाहिए। संसद में एक समिति है जो हिंदी को बढ़ावा देने के लिए देश भर में जाती है और केंद्र सरकार के सभी काम भी हिंदी में होते हैं।

कुछ लोग राजनीति करना चाहते हैं।

हिंदी को 100 प्रतिशत राष्ट्रीय भाषा घोषित किया जाना चाहिए, जो कश्मीर से कन्याकुमारी तक बोली जानी चाहिए। अगर मैं असम जाऊं तो क्या मुझे असमिया सीखना चाहिए? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार रात घोषणा की कि राज्य के स्कूलों में त्रिभाषा फार्मूला लागू करने पर अंतिम निर्णय लेखकों, भाषा विशेषज्ञों, राजनीतिक नेताओं और अन्य सभी संबंधित हितधारकों के साथ विचार-विमर्श के बाद ही लिया जाएगा। यह कदम स्कूलों में हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में शामिल करने के सरकार के फैसले के व्यापक विरोध के बीच उठाया गया है। यह घोषणा मुख्यमंत्री आवास पर तीन-भाषा फॉर्मूले पर एक बैठक के बाद की गई। इस बैठक में उपमुख्यमंत्री शिंदे, स्कूली शिक्षा मंत्री दादा भुसे, राज्य मंत्री पंकज भोईर और शिक्षा विभाग के अधिकारी शामिल हुए। नेताओं ने इस मुद्दे पर विचार-विमर्श किया और भाषा नीति पर सभी हितधारकों की स्थिति प्रस्तुत करने का निर्णय लिया।

उत्तर भारत में बदला मौसम का मिजाज

» दिल्ली में भारी उमस नोएडा में तेज बारिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली- एनसीआर समेत उत्तर भारत में मौसम विभाग ने बादल और बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया हुआ है। मंगलवार दोपहर को नोएडा और गाजियाबाद के कई इलाकों में बारिश हो रही है। कई इलाकों में अभी भी बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग का तीन दिन का यलो अलर्ट बिन बारिश के बीत गया। हर कोई दिल्ली में बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहा है।

हालांकि मौसम विभाग ने सोमवार को फिर कहा था कि मानसून की बारिश के लिए परिस्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। ऐसे में एक से दो दिन में दिल्ली में मानसून एक्सप्रेस की एंट्री हो जाएगी। विभाग ने 29 जून तक लगातार बारिश के संभावना जताई है।

बीजेपी में नहीं जाऊंगा : शशि थरूर

» कांग्रेस नेता ने की पीएम मोदी की तारीफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शशि थरूर ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा, गतिशीलता और जुड़ने की इच्छा की प्रशंसा करते हुए उनकी टिप्पणी भारत के आउटरीच मिशन की सफलता के संदर्भ में थी। कांग्रेस सांसद ने यह भी कहा कि उनकी टिप्पणी प्रधानमंत्री की पार्टी में शामिल होने के लिए उनके संकेत नहीं हैं, जैसा कि कई मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है। थरूर ने कहा, यह एक ऐसा लेख है जिसमें मैंने इस आउटरीच मिशन की सफलता का वर्णन किया है, जो सभी दलों की एकता को दर्शाता है।

कांग्रेस सांसद ने कहा कि मैंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद अन्य देशों के साथ बातचीत में गतिशीलता और ऊर्जा का प्रदर्शन किया है। भाजपा की विदेश नीति या कांग्रेस की विदेश नीति जैसी कोई चीज नहीं है। केवल भारतीय विदेश नीति है। थरूर ने कहा, मैंने यह बात 11 साल पहले कही थी, जब मुझे संसद की विदेश मामलों की समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा, यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पार्टी में शामिल होने का मेरा संकेत नहीं है। यह राष्ट्रीय एकता का संदेश है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऊर्जा, उनका बहुआयामी व्यक्तित्व और संवाद की तत्परता वैश्विक मंच पर भारत के लिए एक ''अहम पूंजी'' बनी हुई है, लेकिन इसे अधिक सहयोग एवं समर्थन की जरूरत है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।